जनवरी 2023 वर्ष 2, नंबर 1

दयालबाग़ एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी)

# डी.ई.आई. मासिक समाचार

डी.ई.आई., डी.ई.पी. और डी.ई.आई. के पूर्व छात्रों से समाचार युक्त न्यूज़लैटर का यह पाँचवाँ एकीकृत (**Integrated**) मासिक अंक डी.ई.आई. के वैभवपूर्ण संस्थापक ग्रेशस हुज़ूर डॉ० एम.बी. लाल साहब को विनम्रतापूर्वक समर्पित है, जो हमारे सभी प्रयासों पर उनकी निरंतर कृपा और दया के लिए हमारी गहरी कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में है।

## खंड

खंड क : डी.ई.आई. ........ 3

खंड ख : डी.ईआई. - ओ.डी.ई. (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा) ........ 7

खंड ग : डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्र (AADEIs & AAFDEI) ........ 11

दयालबाग़ एजुकेषनल इंस्टीट्यूट
(डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा– 282005

# विषय-सूची

## खंड क: डी.ई.आई.


1. डी.ई.आई. शिक्षा दिवस ........ 3
2. 'वाटरमैन ने डी.ई.आई. के विद्यार्थियों को प्रेरित किया ........ 3
3. प्रोफसर अथिना पी. पेट्रोपुलु ने डी.ई.आई. का निरीक्षण किया ........ 4
4. सामाजिक सांस्कृतिक दिवस का आयोजन ........ 4

**संकाय समाचार** ........ 5

5. शिक्षा संकाय ........ 5
6. विज्ञान संकाय ........ 6
7. विद्यालय समाचार ........ 6


## खंड ख : डी.ई.आई. – ओ.डी.ई. (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा)


8. कोऑर्डिनेटर की डेस्क से ........ 7
9. सूचना केन्द्रों से समाचार ........ 8


## खंड ग: डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्र (**AADEIs & AAFDEI**)


10. संपादक की डेस्क से ........ 11
11. दयालबाग़ का कृषि–पारिस्थितिकी और परिशुद्ध कृषि का प्रारूप ........ 11
12. डी.ई.आई. में अच्छा समय और सीखने के नए तरीके: एक संस्मरण ........ 12

**सरस्वती** ........ 12

13. आजादी ........ 12
14. आत्मा की यात्रा ........ 14
15. पूर्व छात्र बाइट्स........ 14

प्रकाशन समितियाँ / सम्पादकीय बोर्ड ........ 14

# खण्ड 'क' : डी.ई.आई.

## डी.ई.आई. शिक्षा दिवस

1 जनवरी 2023 को दयालबाग़ में 'शिक्षा दिवस' और 'दयालबाग़ चेतना विज्ञान दिवस' ( कला, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी की त्रिमूर्ति ) के रूप में मनाया गया। सुबह का सत्र दयालबाग़ के कृषि–पारिस्थितिकी–सह–परिशुद्धता खेती क्षेत्रों में सामुदायिक सेवाओं के दौरान बहुत सवेरे हुआ। सत्र की शुरुआत छात्रों के समूहों और डी.ई.आई. के पूर्व छात्र संघ (AADEIs) के सदस्यों द्वारा भावपूर्ण शब्द पाठों के साथ हुई। इसके बाद, AADEIs की 17वीं वार्षिक आम सभा की बैठक AADEIs, AAFDEI और विदेशों में काम कर रहे अन्य सहयोगी संगठनों की स्थापना और प्रगति के बारे में जानकारी पर एक प्रस्तुति के साथ शुरू हुई। परम श्रद्धेय प्रो. पी.एस. सतसंगी साहब, अध्यक्ष, शिक्षा सलाहकार समिति (डी.ई.आई. के प्रबुद्ध मंडल के रूप में कार्यरत) के शिक्षा संदर्भित विचार और अल्ट्रा–ट्रान्सेडैंटल मैडिटेशन के पावर लॉ (Power Law) पर प्रवचनों की एक ऑडियो क्लिप भी प्रस्तुत की गयी। अंत में, सुपरमैन इवोल्यूशनरी स्कीम के छोटे सदस्यों द्वारा स्वास्थ्य–देखभाल–सह–आत्मरक्षा अभ्यास का एक आश्चर्यजनक प्रदर्शन हुआ।

सांयकालीन सत्र में, दयालबाग़ (कला) विज्ञान और (अभियांत्रिकी) (विकासवादी / पुनः विकासवादी) चेतना (DSC) का चौथा शीतकालीन सत्र, पैनल चर्चा मोड में एक आभासी (virtual) सम्मेलन था, श्रद्धेय प्रो. पी. एस. सतसंगी साहब की गरिमामयी अध्यक्षता में संस्थान के मल्टीमीडिया केंद्र में सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान की गतिविधियों, उपलब्धियों और अभिनव अभ्यासों को प्रदर्शित करने वाली एक अत्यधिक प्रभावशाली प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।

## 'वाटरमैन' ने डी.ई.आई. के विद्यार्थियों को प्रेरित किया

राजस्थान के अलवर जिले के रहने वाले भारत के एक प्रख्यात जल संरक्षणवादी और पर्यावरणविद श्री राजेंद्र सिंह, जिन्हें 'वाटरमैन ऑफ इंडिया' के नाम से जाना जाता है, ने 5 जनवरी, 2023 को डी.ई.आई. का दौरा किया, जिसमें वह दयालबाग़ के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम के साक्षी बने। उन्होंने यह देखकर अत्यधिक प्रसन्नता व्यक्त की कि कैसे दयालबाग़ समुदाय के सदस्य, जिनमें डी.ई.आई. के छात्र और कर्मचारी शामिल हैं, हर दिन खेती के उत्साही और धार्मिक अभ्यासों में खुद को व्यस्त रखते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सतत् विकास और प्रकृति के संरक्षण की दिशा में

दयालबाग़ का संदेश दूर–दूर तक पहुँचेगा और दुनिया भर में इसका अनुकरण किया जाएगा। तत्पश्चात, विशिष्ट अतिथि ने विश्वविद्यालय में दयालबाग़ कॉलोनी, डेयरी, टेनरी और अन्य विभागों का दौरा किया। संस्थान के सभी स्कूलों और विभागों द्वारा विभिन्न गतिविधियों और उत्पादों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी लगाई गई थी। उन्होंने छात्रों के साथ बातचीत की और उन्हें जल संरक्षण के लिए अनुसंधान पहलों के माध्यम से समुदाय में योगदान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने समझाया कि जीवन के अभौतिक लाभ डिग्रियों से अधिक संतुष्टिदायक हैं। श्री सिंह ने आगंतुक पुस्तिका में अपनी अनुभूति दर्ज की, जो इस प्रकार है–

"दयालबाग़ शिक्षा संस्थान दुनिया को विद्या प्रदान कर सकता है। यहाँ शिक्षा नीति 2020 को विद्या के रास्ता पर चलाने का यहाँ सफल प्रयोग है। यह समयसिद्ध विद्या संस्थान है। खेती, उद्योग सभी तरह के शिक्षण सनातन विकास का रास्ता दिखाते हैं। यह सभी धर्मों का बराबर सम्मान करने वाला संस्थान आज की दुनिया के लिए प्रेरक है। शुभकामनाएं!"

**राजेंद्र सिंह**
**5.1.23**

## प्रोफेसर अथिना पी. पेट्रोपुलु ने डी.ई.आई. का निरीक्षण किया

15 जनवरी, 2023 को रटगर्स यूनिवर्सिटी, न्यू जर्सी, यू. एस. में इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की प्रो. अथिना पी. पेट्रोपुलु ने डी.ई.आई. के एन एस एस चिकित्सा सह कौशल शिक्षा सहायक शिविर का दौरा किया, जिसे संस्थान हर रविवार को आयोजित करता है। प्रोफेसर पेट्रोपुलु, जो बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आई.ई.ई.ई सिग्नल प्रोसेसिंग सोसाइटी की अध्यक्ष भी हैं, ने शिविर का दौरा किया और साइट पर आयोजित की जा रही गतिविधियों को देखकर बहुत खुशी और प्रशंसा व्यक्त की। प्रो. पी.के. कालरा, निदेशक, डी.ई.आई. ने शिविर में आयोजित विविध गतिविधियों की व्यापकता और उद्देश्य के बारे में बताया और उन्हें संस्थान के लक्ष्य और उद्देश्यों की शिक्षा नीति से अवगत कराया।

## सामाजिक–सांस्कृतिक दिवस का आयोजन

भारत की महान सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक विरासत को मनाते हुए लोहड़ी और मकर संक्रांति के अवसर पर 13 जनवरी, 2023 को दयालबाग़ में 'सामाजिक–सांस्कृतिक दिवस' का आयोजन बहुत ही हर्षोल्लास और रंगारंग उत्सवों के साथ किया गया। इस वर्ष, ए आई सी टी ई के निर्देशों के तहत आयोजित 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' को चिह्नित करने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के एक भाग के रूप में डी.ई.आई. की एन एस एस इकाई द्वारा समारोह आयोजित किए गए थे। सुबह के सत्र में, दयालबाग़ के आस–पास के इलाकों में डी.ई.आई. के छात्रों द्वारा स्वच्छता और सामाजिक–जागरुकता अभियान चलाया गया, जबकि शाम के सत्र में, डी.ई.आई. के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और संकायों के प्रतिनिधियों द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। नियमित सामुदायिक सेवाओं के बीच दयालबाग़ के कृषि–पारिस्थितिकी–सह कृषि क्षेत्रों में छात्रों ने राष्ट्र के विविध क्षेत्रों और भाषाओं का प्रतिनिधित्व

करने वाली लोक निधि के रूप में सांस्कृतिक कार्यक्रम की एक उल्लेखनीय प्रस्तुति की। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण और राष्ट्रगान से हुई, इसके बाद संस्थान प्रार्थना प्रस्तुत की गई, तत्पश्चात तमिलनाडु के लोहड़ी गीत, भांगड़ा, करगट्टम नृत्य, आंध्र प्रदेश के संक्रांति नृत्य, कथक काली नृत्य के साथ–साथ विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में लोक गीतों की एक जोशपूर्ण प्रस्तुति की गई। डी.ई.आई. के छात्रों में नवाचार की क्षमता और कौशल को प्रदर्शित करने वाली एक छोटी,किन्तु मनोरम प्रदर्शनी भी स्थल पर लगाई गई थी। इस कार्यक्रम को परम श्रद्धेय प्रो. पी. एस. सतसंगी साहब, अध्यक्ष, शिक्षा सलाहकार समिति (डी.ई.आई. के प्रबुद्ध मंडल के रूप में सेवारत), और परम आदरणीय रानी साहिबा का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

## संकाय समाचार

## शिक्षा संकाय

## पी.एम.एम.एम.एन. एम. टी.टी के अंतर्गत स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा कार्यशालाओं का आयोजन

2–3 दिसंबर, 2022 को 'शिक्षण अधिगम में संगीत का एकीकरण' विषय पर द्विदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन अनुभवी वायलिन वादक श्री. एस.डी. श्रीवास्तव, विषय विशेषज्ञ डॉ. अंकिता, असिस्टेंट प्रोफेसर, गवर्नमेंट गर्ल्स डिग्री कॉलेज, रामपुर ने संगीत के तत्त्वों और कक्षा में उनके एकीकरण पर संवादात्मक सत्र आयोजित किए। प्रो. लवली शर्मा, संगीत विभागाध्यक्ष, डी.ई.आई ने शिक्षण में संगीत के एकीकरण पर जोर दिया। प्रो. विभा निगम, पूर्व संकाय प्रमुख, शिक्षा संकाय ने विभिन्न विषयों में संगीत के एकीकरण के अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किए। डॉ. गौतम तिवारी, सहायक प्राध्यापक, संगीत विभाग ने संवादात्मक तरीके से संगीत का उपयोग कर सीखने को रोचक बनाने पर जोर दिया। डॉ. अमित जौहरी ने संगीत प्रस्तुतियों के तकनीकी तत्त्वों पर चर्चा की। छात्रों ने अभ्यास सत्रों में कठपुतली शो, नाटक और गीतों के माध्यम से शिक्षण–अधिगम का प्रदर्शन किया। कार्यशाला का संचालन श्री उमेश सोने ने किया। कार्यशाला में 125 छात्र शिक्षक, 15 शिक्षक और 15 विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने प्रतिभागिता की ।

फेविक्रिल (पिडिलाइट) के सहयोग से 12 से 15 दिसंबर, 2022 तक ''डेवलपिंग स्किल्स इन क्राफ्ट फॉर टीचिंग लर्निंग – फाइंडिंग द आर्टिस्ट इन मी'' शीर्षक से चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। फेविक्रिल के विशेषज्ञ श्री नरेंद्र सोलंकी और बैकुंठी देवी गर्ल्स कॉलेज, आगरा की सुश्री मरियम बुलबुल ने फैब्रिक, ब्लॉक और स्टैंसिल पेंटिंग का प्रशिक्षण दिया। हाथों के अभ्यास से बोतल, रस्सी, जूट आदि का उपयोग करके कलाकृतियों को विकसित करने के लिए 172 छात्र शिक्षकों और शिक्षकों को अभ्यास प्रदान किया गया। सुश्री रिंकी सतसंगी ने कार्यशाला का समन्वय किया।

### स्काउटिंग एवं गाइडिंग शिविर (17–22 दिसंबर, 2022)

शिक्षा संकाय द्वारा दिनांक 17 दिसम्बर से 21 दिसम्बर, 2022 तक बी.एड एवं डी.एल.एड शिक्षक प्रशिक्षुओं के लिए पांच दिवसीय स्काउटिंग एवं गाइडिंग शिविर का आयोजन किया गया। प्रो. पी. एस. त्यागी, श्री बजरंग भूषण, डॉ. अंजना वर्मा और डॉ. ज्योतिका खरबंदा ने शिविर समन्वयक के रूप में योगदान दिया। पर्यावरण की सफाई और पोस्टर बनाना, सांस्कृतिक कार्यक्रम, लंबी पैदल यात्रा, टेंट–पिचिंग और आग का उपयोग करके भोजन तैयार करने जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। डॉ. कल्पना गुप्ता ने योग सत्र का संचालन किया। शिविर के दौरान, स्काउट्स और गाइड्स ने कई तरह के कौशल सीखे, जिसमें प्राथमिक चिकित्सा और किसी घायल व्यक्ति के लिए चिकित्सा सहायता पहुँचने तक उसकी देखभाल कैसे की जाती है, सम्मिलित था। समापन सत्र में डी.ई.आई. के कुलसचिव प्रोफेसर आनंद मोहन ने स्काउट्स एण्ड गाइड्स को शपथ दिलाई।

**शिक्षकोप्लब्धियाँ–**

- डॉ. सोना दीक्षित ने 18 दिसंबर, 2022 को हावर्ड यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. के सहयोग से प्रबंधन विभाग, डॉ. बी. आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा आयोजित 'इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एनवायर्नमेंटल इश्यूज, सस्टेनेबिलिटी, पॉलिसीस एंड इकोनोमिक डेवलपमेंट' में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- प्रो. सुखदेव रॉय और डॉ. सोना दीक्षित ने 7 दिसंबर, 2022 को "स्टेटस रिव्यु एंड असेस्मेंट ऑफ द इम्प्लीमेंटेशन ऑफ एन ई पी 2020" पर एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला/चर्चा बैठक में संस्थान का प्रतिनिधित्व किया, जिसका आयोजन शैक्षिक प्रशासन विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान द्वारा किया गया था।

**विज्ञान संकाय**

**शिक्षकोप्लब्धियाँ–**

- प्रोफेसर सुखदेव रॉय को प्रतिष्ठित एस पी आ ई ई, द इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर ऑप्टिक्स एंड फोटॉनिक्स, यू. एस.ए. का अध्येता चुना गया। उन्होंने प्रकाशिकी, फोटॉनिक्स और क्वांटम ऑप्टिक्स, आई आई टी रुड़की में 10–13 नवम्बर, 2022 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *"कंट्रोलिंग द ब्रेन एंड हार्ट विथ लाइट"* और *"फोटॉनिक्स ड्रिवेन कन्वर्जेन्स अहफ टेक्नोलहजीजः नैनो-बायो-इन्फो क्वांटम कॉग्निटिव"* पर आमंत्रित वार्ता दी। 4–6 दिसंबर, 2022, को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी इलाहाबाद भारत में 92 वें वार्षिक सत्र और संगोष्ठी में 'साइंस एंड टेक्नोलॉजी – ए व्हीकल फॉर सोशल ट्रांसफॉर्मेशन' विषय पर वार्ता दी।

**छात्रोप्लब्धियाँ**

3 से 7 जनवरी, 2023 तक राष्ट्र संत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र में आयोजित भारतीय विज्ञान कांग्रेस में भौतिक विज्ञान और कंप्यूटर विज्ञान विभाग के शोधार्थी हिमांशु बंसल को भौतिक विज्ञान में प्रतिष्ठित **युवा वैज्ञानिक पुरस्कार** से सम्मानित किया गया।

## विद्यालय समाचार

**डी.ई.आई. प्रेम विद्यालयः**

- डी.ई.आई. परिसर में 18 दिसंबर से 22 दिसंबर, 2022 तक स्टेम कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में प्रेम विद्यालय की छात्राओं ने भी बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस कार्यशाला में प्रो. सुखदेव राय, प्रो. राहुल स्वरूप शर्मा, प्रो. सोनाली भटनागर, श्री अरज शर्मा, श्री अभिषेक आर.,श्री आकाश जैन, श्री बॉबी त्यागी, श्री हार्दिक चड्ढा ने ए आई की महत्त्वपूर्ण भूमिका जैसे हमारे दैनिक जीवन में सौर मंडल और आकाश गंगाओं में 3 डी प्रिंटिंग का रहस्योद्‌घाटन, हमारे दैनिक जीवन, विज्ञान और चेतना में आई ओ टी के लाभ जैसे कई बहुमूल्य विषयों पर वार्ता प्रस्तुत की। इन अद्‌भुत व्याख्यान सत्रों के अलावा, छात्रों को एक 3 डी प्रिंटिंग लैब में जाने का अवसर मिला जहाँ वे विभिन्न प्रकार के प्रिंटर और उनके उपयोग को देख सकते थे। यह कार्यशाला बहुत उपयोगी रही और छात्रों को बढ़ती प्रौद्योगिकी और विज्ञान के बारे में अधिक जानने में मदद मिली।

- डी.ई.आई द्वारा दिनांक 10 दिसंबर, 2022 को एक लोक संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में डी.ई.आई प्रेम विद्यालय के छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए कई पुरस्कार जीते। वरिष्ठ वर्ग (नृत्य) में दया दृष्टि, मेघा और बानी भंडारी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार जीता। कनिष्ठ वर्ग (नृत्य) में अभिलाषा ने प्रथम पुरस्कार जीता। समूह गीत (8 से 14 वर्ष) में सुरत मेहरा एवं समूह द्वितीय स्थान पर रहा। समूह गीत (15 से 20 वर्ष) में आशना एवं समूह ने प्रथम और दृष्टि एवं समूह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एकल गीत (8–14 वर्ष की श्रेणी) में बानी सत्संगी को द्वितीय और एकल गीत (15–20 वर्ष की श्रेणी) में भक्ति प्रसाद और तमन्ना सतसंगी को द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

## खण्ड 'ख' : डी.ई.आई.–ओ.डी.ई. (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा)

# कोऑर्डिनेटर की डेस्क से

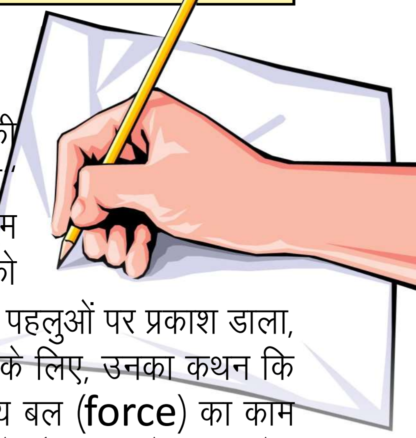

तत्कालीन DEI-DEP न्यूज़ के दिसंबर, 2020 के अंक में, मैंने इन कॉलमों में डॉ. टॉम रैंड की "द केस फॉर क्लाइमेट कैपिटलिज़्म – इकोनॉमिक सॉल्यूशंस फ़ॉर ए प्लैनेट इन क्राइसिस" शीर्षक वाली ई–पुस्तक के बारे में लिखा था, जिसका परिचय डॉ. टॉम रैंड ने दिया था। हमें परम श्रद्धेय प्रो पी.एस. सतसंगी साहब, शिक्षा सलाहकार समिति के अध्यक्ष ने 4 दिसंबर, 2020 को आयोजित समिति की एक विशेष बैठक में पुस्तक की प्रस्तावना (preface) को पढ़कर उन पहलुओं पर प्रकाश डाला, जो डी.ई.आई. में लेखक के विचारों के साथ हमारे विचारों में सहमति दिखाते हैं– उदाहरण के लिए, उनका कथन कि जबकि वाणिज्य उच्च वित्त का साधन (tool) होगा, उन्हें प्राप्त करने के लिये मानवीय मूल्य बल (force) का काम करेगें। पुस्तक के विभिन्न अध्यायों को बाद में ACE सदस्यों द्वारा जनवरी 2021 के महीने के दौरान आयोजित विशेष ACE बैठकों में सात प्रस्तुतियों के माध्यम से निपटाया गया। ऊर्जा का उत्पादन करने के लिए जीवाश्म (fossil) ईंधन को जलाना जारी रखने के विनाशकारी परिणाम, जो बड़ी मात्रा में वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं जो हमारे ग्रह को गर्म करता है और इसके परिणामस्वरूप होने वाले जलवायु परिवर्तन को पुस्तक में ग्राफिक विवरण द्वारा प्रलेखित किया गया है। ग्रह को बचाने के प्रयास में, वर्ष 2015 में पैरिस में 21वें वार्षिक संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (सी ओ पी 21) में एक प्रस्ताव पारित किया गया था, जो ग्लोबल वार्मिंग को 1.5°C तक सीमित करने के लिए निर्धारित करता है, जिसे डॉ. टॉम रैंड ने क्विक्सॉटिक ड्रीम कहा है।

इलस्ट्रेटेड ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने पृथ्वी को सौर मंडल में पांचवां सबसे बड़ा ग्रह बताया है, जिसकी चार मुख्य परतें हैं: एक ठोस धातु आंतरिक कोर, जिसका तापमान लगभग 4000°C है; एक पिघला हुआ बाहरी कोर; मोटे तौर पर चट्टान से बना एक मेंटल; और पपड़ी (Crust, बाहरी सतह) जिनके दो अलग–अलग प्रकार हैं, पहला महाद्वीपीय और दूसरा महासागरीय। पृथ्वी विज्ञान में, वैश्विक औसत सतह के तापमान की गणना समुद्र की सतह पर तापमान और जमीन पर हवा के तापमान के औसत से की जाती है [1]। वैश्विक तापमान का विश्वसनीय मापन 1880 में शुरू हुआ। उस वर्ष और 1940 के बीच औसत वार्षिक तापमान में 0.2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई। 1940 और 1970 के बीच तापमान स्थिर था। 1970 के बाद से, यह प्रत्येक दशक में 0.18 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। बेसलाइन तापमान, जो लगभग 14 डिग्री सेल्सियस है, की तुलना में औसत वैश्विक तापमान में 0.9 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। डॉ. टॉम रैंड के अनुसार 3.5 डिग्री सेल्सियस ग्लोबल वार्मिंग स्तर पर, ग्रीनलैंड का अंत हो जाएगा, फ्लोरिडा पानी के नीचे होगा, अमेरिका का मध्य–पश्चिम एक रेगिस्तान होगा, पाकिस्तान सूख जाएगा और ऑस्ट्रेलिया और कैलिफोर्निया में आग लग जाएगी।

7 जनवरी, 2023 को SPHEEHA, DRSAE CIO और SSI के समर्थन से डी.ई.आई. द्वारा एक "प्रतिष्ठित व्याख्यान" आयोजित किया गया था – वक्ता डॉ. माइकल ग्रब थे, जो यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन में ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन के प्रोफेसर और IPCC (जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल) के प्रमुख लेखक हैं – 6वीं आंकलन रिपोर्ट जिसमें उन्होनें एक अध्याय लिखा है। उन्होंने वीडियो–कॉन्फ्रेंसिंग मोड में 'ऊर्जा, जलवायु और नवाचार के अर्थशास्त्र' पर बात की। विद्वान वक्ता ने निम्नलिखित उल्लेखनीय टिप्पणियां कीं:

- 2019 में कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन (emission) 2010 की तुलना में लगभग 12% अधिक था और 1990 की तुलना में 54% अधिक था।
- तापमान स्थिर हो जाएगा जब हम शुद्ध शून्य (net zero) कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन तक पहुंच जाएंगे। भारत की 2070 तक नेट जीरो होने की योजना है।
- प्रत्येक क्षेत्र (ऊर्जा, भूमि उपयोग, भवन, उद्योग, शहरी और परिवहन) में ऐसे विकल्प उपलब्ध हैं जो 2030 तक उत्सर्जन को कम से कम आधा कर सकते हैं और वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की संभावना को खुला रख सकते हैं।

- नीतियों और कानूनों की बढ़ती श्रृंखला ने ऊर्जा दक्षता में वृद्धि की है, वनों की कटाई की दरों में कमी आई है और नवीकरणीय ऊर्जा की तैनाती में तेजी आई है और वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के उद्देश्य से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।
- हम वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के रास्ते पर नहीं हैं।

इस पृष्ठभूमि में यह ध्यान देने योग्य हैं कि दयालबाग़ का हरित ऊर्जा में गहरा विश्वास रहा है। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अब हम 1MW उत्पादन क्षमता को छू रहे हैं। सिग्मा 6Q के माध्यम से कार्बन फुटप्रिंट को कम करना और स्थिरता (Sustainability) को जीने का एक तरीका बनाना हमारे श्रद्धेय नेताओं के दूरदर्शी मिशन का हिस्सा रहा है। कॉलोनी में बैटरी से चलने वाले वाहन चलते हैं। खाना पकाने के लिए ग्रीन गैस का उपयोग किया जाता है। कॉलोनी को जड़ी–बूटियों के बगीचों सहित बहुत सारी हरियाली के साथ एक इको–गांव के रूप में विकसित किया गया है। बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और जैव–विविधता पार्क हरित मिशन की अन्य उल्लेखनीय अभिव्यक्तियाँ हैं।

**( प्रो. वी.बी. गुप्ता )**

अभिस्वीकृतिः इस लेख को तैयार करने में श्री पंकज गुप्ता, सचिव SPHEEHA द्वारा प्रदान की गई सहायता के लिये आभार व्यक्त किया जाता है।

संदर्भः

[1] Wikipedia: Write-up on 'Global Surface Temperature'.

# केंद्रों से समाचार

## शिक्षा दिवस समारोह

हर साल 1 जनवरी के महत्व को दयालबाग़ में प्रथम शैक्षिक संस्थान की स्थापना के दिन के रूप में चिह्नित करने के लिए उसे DEI बिरादरी द्वारा पूरी दुनिया में Education Day या ''शिक्षा दिवस'' चारों ओर मनाया जाता है। कुछ डी.ई.आई. आई सी टी/सूचना केंद्रों ने समारोह की रिपोर्टों को तुरंत साझा किया है ये इस प्रकार हैं:

''शिक्षा दिवस''/Education Day DEI के छात्रों और कर्मचारियों द्वारा **सूचना केंद्र, जम्मू** में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गर्मजोशी से स्वागत और विश्वविद्यालय प्रार्थना के साथ हुई। संकाय सदस्यों ने दिन के महत्व को समझाया और उसके बाद छात्रों और दर्शकों ने ''भक्ति गीतों'' का पाठ किया।

**जमशेदपुर केंद्र** में छात्रों और शिक्षकों ने पूरे जोश के साथ शिक्षा दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय प्रार्थना से हुई। छात्रों के समग्र विकास के लिए मूल्य आधारित शिक्षा पर संस्थान के ध्यान को उजागर करते हुए डी.ई. आई. पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी गई। छात्रों का उत्साह उनके भाषणों, गीतों और शिक्षा दिवस पर आधारित प्रेरक अभ्यासों में भागीदारी में दिखाई दे रहा था। इस तरह के प्रयासों और भविष्य में भी इस तरह की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया। कार्यक्रम का समापन विश्वविद्यालय गीत गाकर एवं मिष्ठान्न वितरण के साथ किया गया।

**DEI सूचना केंद्र, दयाल नगर, विशाखापत्तनम** में शिक्षा दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। प्रो. पी. रामकृष्ण राव एम.ई., पी एच.डी. सेवानिवृत्त प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, ई सी ई एन आई टी, तिरुचि, समारोह के मुख्य अतिथि थे। मौके

पर जिला सचिव, कॉलोनी निवासी, छात्र–छात्राएं व स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय की प्रार्थना से हुई और केंद्र प्रभारी श्री वी. दक्षिणामूर्ति ने इस दिन के महत्व और डी.ई.आई. में शिक्षा के इतिहास के बारे में परिचयात्मक टिप्पणी की। मुख्य अतिथि ने संस्थान में चल रहे पाठ्यक्रमों की सराहना की और उल्लेख किया कि वे छात्रों को स्वरोजगार योजनाएं शुरू करने, विभिन्न ट्रेडों में कौशल विकसित करने के साथ–साथ दूसरों को रोजगार प्रदान करने में सक्षम बनाने के लिए बहुत उपयोगी हैं। उन्होंने यामाहा ट्रेनिंग स्कूल के पाठ्यक्रम की भी सराहना की। सुश्री पी. दयाल प्यारी, एक संकाय सदस्य द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया और बैठक विश्वविद्यालय गीत और राष्ट्रगान के साथ समाप्त हुई।

**सूचना केंद्र मुरार** में शिक्षा दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर केंद्र के सभी शिक्षक और विभिन्न स्ट्रीम के छात्र–छात्राएं मौजूद थे। केंद्र प्रभारी ने शिक्षा दिवस के महत्व पर भाषण दिया। श्री. प्रेम प्यारा सतसंगी ने चेतना को कैसे बढ़ाया जाए इस पर बात की। ओए सी ओ के तीन छात्रों, एम वी एम के दो छात्रों और इलेक्ट्रीशियन कोर्स के एक छात्र ने डी.ई.आई. शिक्षा प्रणाली और इससे मिलने वाले लाभों के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किए। इसके बाद छात्रों ने योग कक्षा में भाग लिया। विश्वविद्यालय गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। भोपाल केंद्र में भी शिक्षा दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दीप प्रज्वलित कर विश्वविद्यालय प्रार्थना की गई। इस अवसर को मनाने के लिए एक छोटा सा उत्सव भी आयोजित किया गया था।

**अटलांटा स्टडी सेंटर** ने 1 जनवरी, 2023 को जोश और उत्साह के साथ शिक्षा दिवस मनाया। अटलांटा, डलास, फ्लॉरिडा और ह्यूस्टन के स्थानों से 40 से अधिक छात्रों और सत्संग समुदाय के सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। डी आर एस एए नए के अध्यक्ष श्री के.बी. मेहता, डॉ. संगीता सैनी, गृह विज्ञान विभाग, डी.ई.आई. के प्रमुख और श्री प्रशांत तलवार, एस एफ ओ शाखा सदस्य ने भी वर्चुअली जुड़कर इस अवसर की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की शुरुआत डलास सेंटर के छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रार्थना से की। बाद में, अटलांटा शाखा सचिव, डॉ. मधुलिका नेमानी ने 'धन्य धन्य सखी भाग हमारे' शब्द का हवाला देकर और परमपिता परमात्मा को इस धन्य अवसर के लिए धन्यवाद देते हुए सभी का स्वागत किया। बाद में, श्री हर्ष गुलाटी ने प्रो. संगीता सैनी का स्वागत किया, उनके बारे में एक संक्षिप्त परिचय दिया, और उन्हें ''सॉफ्ट टॉय मेकिंग'' पर एक प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया।

प्रोफेसर संगीता सैनी राजबोरारी, मध्य प्रदेश, भारत में एक सॉफ्ट–टॉय मेकिंग व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का नेतृत्व कर रही हैं। उन्होंने सॉफ्ट टॉय के लिए कपड़े, सॉफ्ट टॉय एक्सेसरीज और इको–फ्रेंडली फिलिंग के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने सॉफ्ट टॉय बनाने की चरण–दर–चरण प्रक्रिया भी प्रस्तुत की, जिसके बाद प्रश्नोत्तर सत्र हुआ। इसके बाद, श्री प्रशांत तलवार ने डी.ई.आई., इसकी दृष्टि, पाठ्यक्रम और विभिन्न विषयों में नए शोध पर एक अंतर्दृष्टिपूर्ण प्रस्तुति दी। उन्होंने जॉर्ज बर्नार्ड शॉ को उद्धृत करते हुए DEI की भावना पर प्रकाश डाला, ''कुछ पुरुष चीजों को वैसे ही देखते हैं जैसे वे हैं और कहते हैं कि क्यों, मैं उन चीजों का सपना देखता हूं जो कभी नहीं थीं और कहते हैं कि क्यों नहीं''। सत्र का समापन संस्कृत में ''अभिलाषा इयमेव'' प्रार्थना के साथ हुआ।

**दिल्ली के करोलबाग स्थित केंद्र** में शिक्षा दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय प्रार्थना से हुई, इसके बाद संक्षिप्त परिचय शिक्षा दिवस और इसके महत्व के बारे में बताया गया। सभा में क्म्प के छात्र, कर्मचारी और पूर्व छात्र शामिल थे। उपस्थित छात्रों और पूर्व छात्रों के बीच एक ज्ञानवर्धक संवाद सत्र हुआ जिसमें उन्होंने अपने दृष्टिकोण और अनुभव सभी के साथ साझा किए। सेंटर इन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रभारी और विश्वविद्यालय गीत का सस्वर पाठ। सभी उपस्थित लोगों को रेवड़ी वितरित की गयी।

**लुधियाना सेंटर** में शिक्षा दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय प्रार्थना से हुई। डी.ई.आई. मुख्यालय से संदेश हिंदी में पढ़ा गया। छात्रों और शिक्षकों द्वारा ''सुपरमैन विकसित करने में शिक्षा का महत्व और शिक्षा की भूमिका'' और ''शिक्षा के उद्देश्य'' विषयों पर भाषण दिए गए। जोर किसी समाज/देश की बुराइयों और बुराइयों को दूर करने में शिक्षा की प्रासंगिकता पर था। अंत में प्रार्थना के बाद जलपान वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

**पटना** में शिक्षा दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर को मनाने के लिए सत्संग समुदाय के छात्र, संकाय सदस्य और भाई–बहन एकत्रित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय प्रार्थना से हुई, इसके बाद शिक्षा दिवस के महत्व पर भाषण दिए गए। सर्वशक्तिमान को उनकी कृपा और दया के लिए धन्यवाद देते हुए इस कार्यक्रम का समापन हुआ।

**ICT बैंगलोर** ने वर्चुअस वर्चुअल मोड में शिक्षा दिवस मनाया। केंद्र प्रभारी द्वारा एक संक्षिप्त स्वागत भाषण के बाद, संकाय सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय प्रार्थना प्रस्तुत करने के साथ समारोह शुरू हुआ। ACE के वाइस चेयरमैन प्रोफेसर वी.बी. गुप्ता द्वारा शिक्षा दिवस पर भेजे गए एक संक्षिप्त नोट को पढ़ा गया। तत्पश्चात पुरुष एवं महिलाओं के समूह द्वारा

Jammu

Jamshedpur

Vizag (DN)

Murar

Bhopal

Atlanta

Karolbagh

Patna

शब्द का पाठ किया गया। तत्पश्चात, आर एस सतसंग सभा, दयालबाग़ द्वारा प्रकाशित दयालबाग़ में शिक्षा पर प्रवचनः पूर्ण शिक्षा का एक दृष्टिकोण, से वचनों को पढ़ा गया। अंत में, विश्वविद्यालय गीत के साथ समारोह का समापन करने से पहले प्रोफेसर टी वी एस एन मूर्ति ने केंद्र से जुड़े अकादमिक मामलों को साझा किया।

**चेन्नई केंद्र** में , कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना के साथ हुई जिसके बाद संकाय और डी.ई.आई. पूर्व छात्रों द्वारा पाठ किया गया। उद्घाटन भाषण केंद्र प्रभारी द्वारा शिक्षा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए दिया गया। इसके बाद छात्रों, पूर्व छात्रों और केंद्र के संकाय, डी.ई.आई. पूर्व छात्रों और चेन्नई सतसंग शाखा के सदस्यों द्वारा प्रस्तुतियां दी गईं, जिसमें दयालबाग़ और डी.ई.आई. में शिक्षा की प्रगति पर हिंदी में एक कविता पाठ शामिल थाय महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए शिक्षा के महत्व पर एक बात, अंतर को पाटना– शिक्षक और छात्र का दृष्टिकोण, कैसे विभिन्न आयु स्तरों पर शिक्षा एक व्यक्ति की पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए विकास की सुविधा प्रदान कर सकती है। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव, विश्वविद्यालय प्रार्थना और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

## खण्ड 'ग' : डी.ई.आई के भूतपूर्व छात्र (AADEIs & AAFDEI)

# संपादक की डेस्क से

ठिठुरती सर्दी के बीच अच्छे उत्साह का मौसम आता है – बसंत –आनंद का अग्रदूत, इसकी सच्ची भावना में स्वतंत्रता और चिरस्थायी शांति और आनंद है। इस अंक की एक कविता स्वतंत्रता की जटिल धारणा को परिभाषित करने का प्रयास है। हम इस विचार से सहमत हो सकते हैं कि जो कुछ भी पसंद है उसे करने के लिए स्वतंत्र होना वास्तव में एक प्रकार का बंधन है। जो करना चाहिए, जो सही है वही करना वास्तविक स्वतंत्रता है। शायद यही कारण है जो डी.ई.आई. में शिक्षा को इतना अनूठा बनाता है–संस्थान का ऐसा आभामंडल है जो किसी भी छात्र या आगंतुक को अछूता नहीं छोड़ता है, यह प्रासंगिकता के साथ उत्कृष्टता की निरंतर खोज है, ताकि शिक्षा के अंतिम उद्देश्य को प्राप्त किया जा सके – *'सा विद्या या विमुक्तये'* – ऐसी शिक्षा जो पूर्ण मुक्ति, सभी कष्टों और दुखों से मुक्ति और चिरस्थायी सुख प्रदान करे। aadeisnewsletter@gmail.com पर अपनी टिप्पणी और योगदान साझा करें। आपकी प्रतिक्रिया की हृदय से सराहना की जाएगी!

**दयालबाग़ का कृषि–पारिस्थितिकी और परिशुद्ध कृषि का प्रारूप : दुनिया के लिए रामबाण– शिखा वर्मा, वर्तमान में, मेंटर, ओ ए सी ओ, डी.ई.आई. सूचना केंद्र, पनवेल**

**बैचः बी एस सी रसायन विज्ञान (1996), एम एस सी रसायन विज्ञान (1998), पी.एचडी. रसायन विज्ञान (2003), पी जी डी टी (2012)**

दयालबाग़ में कृषि–पारिस्थितिकी और परिशुद्ध कृषि कार्यक्रम सभी उम्र और जीवन के क्षेत्रों के लोगों के साथ सामूहिक चेतना की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति है। भौतिक लाभ के लिए नहीं बल्कि अपने परम पिता को खुश करने के लिए और जीवन के उच्चतम उद्देश्य की दिशा में काम करने के लिए, ईश्वर के पितृत्व और मनुष्य के भाईचारे का उदाहरण देते हुए, समकालिक और निःस्वार्थ रूप से काम करना।

परिणामतः जैविक फसलों और दुग्ध उत्पादों के उत्पादन में विविधता है, जिससे मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य में वृद्धि के साथ एक सुपोषित लैक्टो–शाकाहारी समुदाय का निर्माण होता है।यह ग्रह पर कहीं और नहीं मिल सकता है कि 3–सप्ताह के नवजात शिशु मिट्टी में सक्रिय रूप से और खुशी से खेलते हैं, शुद्ध हवा में साँस लेते हैं, और कीटनाशक मुक्त भोजन उगाते हैं जो उनके स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण को लाभ पहुँचाता है।

बालक प्रकृति और पर्यावरण के साथ सह–अस्तित्व सीखते हैं और कर्त्तव्यनिष्ठ और जिम्मेदार पर्यावरण–जागरुक नागरिकों के रूप में विकसित होते हैं। कृषि क्षेत्रों में काम करते हुए, वे श्रम की गरिमा, कर्म ही पूजा, सामूहिक कार्य और लक्ष्य उन्मुख सहयोग और समन्वय जैसे मूल्यवान कौशल और मूल्यों को आत्मसात करते हैं। भोजन उगाने की पूरी प्रक्रिया को देखकर और उसमें भाग लेकर, वे खाद्य संसाधनों का मूल्य और संरक्षण करना सीखते हैं।

हरे–भरे खेतों का विशाल विस्तार शहर के प्राकृतिक फेफड़ों के साथ–साथ ग्रीनहाउस गैसों के लिए कार्बन सिंक के रूप में काम करता है। पूरे वर्ष कृषि संबंधी गतिविधियों में भाग लेने वाले सदस्यों का एक नियमित आवागमन अप्रत्यक्ष रूप से स्थानीय दुकानों और खाद्य विक्रेताओं को आर्थिक रूप से लाभान्वित करता है।

पूरी दुनिया को दयालबाग़ के अद्वितीय कृषि–पारिस्थितिकी और परिशुद्ध कृषि प्रारूप का अनुकरण करना चाहिए, क्योंकि इसमें न केवल सामाजिक सुधार लाने, उभरते वैश्विक मुद्दों को संबोधित करने और दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास में योगदान करने की क्षमता है, बल्कि मानवता का सर्वोत्तम संभव भौतिक, मानसिक, और आध्यात्मिक विकास है।

**डी.ई.आई. में अच्छा समय और सीखने के नए तरीके: एक संस्मरण उर्वशी कौशल, वर्तमान में अंग्रेजी की सहायक प्रोफेसर, एस वी एन आ ई टी, सूरत बैच: बी ए अंग्रेजी (1998), एम ए अंग्रेजी (2000), पी.एचडी. (2004)**

जब मैं डी.ई.आई. में बिताए नौ वर्षों को देखती हूँ तो मुझे विश्वास हो जाता है कि वे मेरे जीवन के सबसे अधिक निर्णायक वर्ष थे। बी ए अंग्रेजी (ऑनर्स), फिर एम ए अंग्रेजी और अंत में डी ई एस ब्लॉक के शोधार्थी होने के नाते, डी.ई.आई. ने मुझे कई तरह से ढाला।

संस्थान ने मुझे अन्य विश्वविद्यालयों के विपरीत ज्ञान और कई जीवन कौशलों से सुसज्जित किया, जो केवल कक्षा ज्ञान पर केंद्रित थे। इसका अहसास मुझे तब हुआ जब मैंने अपने उन दोस्तों से बात की जो अलग–अलग संस्थानों में पढ़ रहे थे। डी.ई.आई. में अंग्रेजी विभाग को लोकप्रिय रूप से डी ई एस ब्लॉक के शिक्षक कहा जाता था, उन्होंने भाषा और साहित्य की बारीकियों की आलोचनात्मक रूप से सराहना करने की क्षमता विकसित की, संस्थान के कठोर पाठ्यक्रम ने अनुशासन और ईमानदारी पैदा की, जो जीवन का एक तरीका बन गया। लेकिन डी.ई.आई. में शिक्षा का सबसे महत्त्वपूर्ण योगदान, जिसकी मैं शिक्षक बनने के बाद सराहना करने लगी, अनिवार्य प्रस्तुतियाँ थीं जो स्नातक कार्यक्रम में आदर्श थीं।

मेरा अब भी मानना है कि छात्रों के आत्मविश्वास, स्पष्टता और संचार कौशल को विकसित करने के लिए यह सबसे अच्छा शैक्षणिक उपकरण है।

मुझे आशा है कि डी.ई.आई. में अभी भी एक अनिवार्य मूल्यांकन घटक के रूप में प्रस्तुतियाँ हैं और मास्टर डिग्री प्रोग्राम में स्वाध्याय एवं संगोष्ठी अभी भी एक पवित्र अनुष्ठान है जिसमें सभी शिक्षक शामिल होते हैं। मैं डी.ई.आई. की शिक्षा प्रणाली की आभारी हूँ , जिसने अनजाने में मंच के डर पर काबू पाने और खुद को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करने की क्षमता विकसित करने, आत्मविश्वास के साथ विचार प्रस्तुत करने और उन पर चर्चा करने की क्षमता विकसित करने जैसे कई जीवन कौशल विकसित किए हैं। ये कौशल रोजगार का अभिन्न अंग हैं, जिसे लोग अन्यत्र या फिर नौकरी पर सीखते हैं या पेशेवर प्रशिक्षकों की मदद से सीखते हैं। लेकिन डी.ई.आई. इसे कक्षा में, पाठ्यक्रम के भीतर सहजता से करता है, जिससे इसके छात्रों में दूसरों से अधिक क्षमता विकसित होती है।

## सरस्वती

प्रिया सिंह, बैच: एम बी एम (1993),
धर्मशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (2012) वर्तमान में,
केंद्र प्रभारी, डी.ई.आई. चेन्नई सूचना केंद्र

**आज़ादी**

आपके लिए स्वतंत्रता क्या है ??

पतंग की तरह उड़ती है आसमान में,

या अपने अधिकारों के लिए खड़े हो जाना,

आपको सीमित करने वाली सीमाओं को तोड़ना,

या जब तक आप कर रहे हैं तब तक हार नहीं मान रहे हैं।

क्या यह आपकी आज़ादी है ??

कहने के बजाय अभिनय करना चुनना,

अन्वेषण करने के लिए अपना सुविधाक्षेत्र छोड़ना,

क्या यह आपकी आज़ादी है ??

या दूर अपने ही गीत गा रहे हैं,

'क्योंकि आपके लिए ठीक होना महत्त्वपूर्ण है।

एक नए सफर की शुरुआत,

अपने सपनों और जुनून के बाद,

क्या यह आपकी आज़ादी है ??

वास्तव में इसके अनंत अर्थ हैं,

जो हमें इस भौतिकवादी साम्राज्य से मुक्त करती है।

यह मन और पदार्थ के बंधनों को तोड़ती है,

और उच्चतम आध्यात्मिक स्तर पर प्रवेश करता है,

कि मेरे मित्र, सच्ची परम स्वतंत्रता है!!

या भागती परिस्थितियों से,

'क्योंकि जीवन में आप और भी बहुत कुछ चाहते हैं।

गलत के बजाय सही का साथ देना,

आप जो महसूस करते हैं उसे व्यक्त करना,

क्या यह आपकी आज़ादी है ??

या कुछ लोगों द्वारा अपनाए गए पथ पर चलकर,

या अपना खुद का कोड और फैशन बनाना,

स्वतंत्रता के इतने भाव हैं,

लेकिन वास्तव में सच्ची परम स्वतंत्रता क्या है?

जब हमारी आत्मा, उसकी परतें बिखेरती है,

जब यह सांसारिक तल की सीमाओं को पार करता है,

जब यह एकरूपता में सर्वोच्च के साथ विलीन हो जाता है,

## आत्मा की यात्रा

मैं तुम में हूँ, तुम मुझ में हो,

आप आध्यात्मिकता के स्रोत हैं,

शुरुआत में, मैं आपका एक हिस्सा थी (किन्तु निचले ध्रुव में),

एक बड़े धमाके ने मुझे बिना किसी सुराग के दूर धकेल दिया

नश्वर माया से आध्यात्मिक की ओर, मैं अवतरित हुई।

मैं एक इंसान थी, नश्वर चौखट में

तन और मन की परतों में लिपटी हुई ,

मैं सांसारिक विमान पर उलझ गई ,

मैं आपके चरण कमलों में हमेशा के लिए रहना चाहती हूँ।

यही परम सत्य और यथार्थ है,

यह एक आनंदित, शांतिपूर्ण स्थान था

काश, मेरी इच्छाएँ और कर्म इसका कारण होते।

शुरू में, इतनी खोयी हुई और फंसी हुई महसूस किया,

मेरे चारों ओर, आत्माएँ एक जैसी दिखाई दीं।

सांसारिक मोह माया ने मुझे अंधा कर दिया,

भौतिक सुख–सुविधाएं, संपत्ति अस्थायी थीं,
परीक्षण और क्लेश प्रचुर मात्रा में थे,
मेरे जीवन में कई झटके आए,
संगी और प्रिय चले गए थे,
अहसास की एक चिंगारी भीतर जगमगा उठी,
शांति और आनंद की भावना ने मुझे घेर लिया,
भीतर एक आध्यात्मिक ध्वनि गूंज रही थी,
अचानक दिव्य प्रकाश चारों ओर प्रकाशित हो गया,

विकर्षणों, आसक्तियों ने मुझे विक्षिप्त बना दिया।
प्रेम और आनंद भ्रम थे,
फिर भी मेरी इच्छाएँ और लालच बढ़ गए।
काफी हंगामे और कली हुए,
फिर मेरे भीतर कुछ जाग उठा।
मैंने खुद को बंद कर लिया और अंदर आ गयी,
मुझे ऊँचा और मुक्त महसूस कराया।
ऊँचे तलों तक, यह मुझे ले जा रही थी,
प्रभु के चरणों में, स्वयं को फिर मैंने पाया।

## पूर्व छात्र कथन (Alumni Bytes)

**दयालबाग़ में शिक्षा की सबसे बड़ी उपलब्धि है...**

''... दुनिया भर में विभिन्न संस्कृतियों और धर्मों को सीखने और उनका सम्मान करने की सुंदर यात्रा। संवेदनशील और कर्त्तव्यनिष्ठ होने के कारण मैं अपने रास्ते में आने वाली नई संभावनाओं और चुनौतियों के लिए तैयार हूँ। परम ज्ञान के बारे में जागरुक होना कि सभी संवेदनशील प्राणी एक ही इकाई से उत्पन्न होते हैं, ने मुझे अधिक मानवीय और दयालु बना दिया है।''

**– राधिका तड़ीपार्थी, बैच पी जी डी टी (2007), वर्तमान में, टेक्निकल रिक्रूटर, अमेजन।**

''...जमीन से जुड़े रहने की गुणवत्ता और सबसे जटिल समस्याओं से निपटने में सरलता की भावना, जो किसी के लक्ष्यों के प्रति स्पष्ट दृष्टि बनाने में मदद करती है।''

**– सुंदस शम्सी, बैच बी.एस.सी जीवविज्ञान (2020), वर्तमान मे, एम.एस.सी जीवविज्ञान, ए.एम.यू., अलीगढ़।**


**प्रकाशन समितियाँ / सम्पादकीय बोर्ड**

डी.ई.आई
संरक्षक: प्रो. पी.के. कालरा
मुख्य संपादक: प्रो. जे.के. वर्मा
संपादक: डॉ. सोना दीक्षित, डॉ. सोनल सिंह, डॉ. अक्षय कुमार सत्संगी, डॉ. बानी दयाल धीर
सदस्यों: डॉ. चारु स्वामी, डॉ. नेहा जैन, डॉ. सौम्या सिन्हा, श्री आर.आर. सिंह, प्रो. प्रवीण सक्सेना, प्रो. वी. स्वामी दास, डॉ. रोहित राजवंशी, डॉ. भावना जौहरी
सलाहकार: प्रो. एस.के. चौहान
अनुवादक: डॉ. नमस्या, डॉ. निशीथ गौड़

डी.ई.आई.–ओ.डी.ई. (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा)
संरक्षक: प्रो. पी.के. कालरा, प्रो. वी.बी. गुप्ता
संपादकीय सलाहकार: प्रो. एस.के. चौहान, प्रो. जे.के. वर्मा
संपादकीय मंडल: डॉ. सोनल सिंह, डॉ. मीना पायदा, डॉ. लॉलीन मल्होत्रा, डॉ. बानी दयाल धीर, श्री राकेश मेहता
अनुवादक: डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा

डी.ई.आई. Alumni (AADEIs & AAFDEI)
संरक्षक: प्रो. गुर प्यारी जंडियाल
संपादकीय समिति: डॉ. सरन कुमार सतसंगी, प्रो. साहब दास, डॉ. बानी दयाल धीर, श्रीमती शिफाली सत्संगी, श्रीमती अरुणा शर्मा, डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा, डॉ. गुरप्यारी भटनागर, डॉ. वसंत वुप्पुलुरी
अनुवादक: डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा

प्रशासनिक कार्यालयः पहली मंजिल, 63, नेहरू नगर, आगरा –282002।
पंजीकृत कार्यालयः 108, साउथ एक्स प्लाजा –1, साउथ एक्सटेंशन पार्ट II, नई दिल्ली–110049।

चित्रण, मुद्रण एवं ई–प्रकाशनः दयालबाग़ प्रेस